**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1132**

**20.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**इथियोपिया में भारतीयों को बंधक बनाया जाना**

**1132. श्रीमती वानसुक साइम:**

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आदिस अबावा से 400 किमी. दूर इथियोपियाई शहर बुरे में स्थानीय कर्मियों ने कर्ज में डूबी फर्म द्वारा वेतन का भुगतान नहीं किए जाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एण्ड फाइनेंस सर्विसेस के तीन भारतीय कर्मचारियों को बंधक बना लिया था;

(ख) क्या भारतीय सरकार उस देश में अपने समकक्षों से सम्पर्क बनाए हुए है ताकि इस संकट को दूर किया जा सके तथा बंधकों को शीघ्रातिशीघ्र छुड़ाया जा सके; और

(ग) क्या स्थानीय कर्मचारियों द्वारा संचार माध्यमों और जलापूर्ति को बंद किए जाने जैसी बाधाओं का सामना करते हुए भारतीय बंधक अपने बचाव के लिए चोरी-छिपे ई-मेल/एसएमएस के माध्यम से भारत के विदेश मंत्री से संपर्क करने में सफल रहे?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**[जनरल (डा.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त)]**

**(क)** इथियोपिया मेंआईटीएनएल, जोकि आईएल एंड एफएस की एक सहायक कंपनी है, में काम कर रहे भारतीय कर्मचारियों की आवाजाही को रोक दिया गया था, क्योंकि यह कंपनी स्थानीय कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं कर पाई। आईटीएनएल कंपनी के समन्वयक ने भारतीय कर्मचारियों की सुरक्षा तथा संरक्षा की सहायता की मांग के लिए नवंबर 2018 में हमारे मिशन से सम्पर्क भी किया था।

**(ख) और (ग)** मंत्रालय ने प्राथमिकता के आधार पर इस मामले को इथियोपियाई प्राधिकारियों तथा आईएलएफएस प्रबंधन के साथ उठाया है ताकि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जा सके। हम इस मामले का निपटारा सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इथियोपिया में हमारे राजदूतावास ने पुष्टि की है कि खाने-पीने की वस्तुओं तथा दूसरी आवश्यक जरूरतों के मामले में स्थिति अभी चिंताजनक नहीं है।

\*\*\*\*\*